भारत को रूस तेल पर 30 दिन की छूट

मिडिल-ईस्ट संकट में भारत की तेल आपूर्ति सुरक्षित

नई दिल्ली, 06 मार्च- मिडिल-ईस्ट में जारी तनाव और ईरान के स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को ब्लॉक करने के कारण ग्लोबल तेल बाजार में हलचल तेज हो गई है. ब्रेंट क्रूड की कीमतें 83 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई हैं. ऐसे समय में भारत के लिए राहत की खबर यह है कि अमेरिका ने भारतीय रिफाइनरियों को रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीदने की विशेष छूट दी है, जो 3 अप्रैल तक वैध रहेगी.

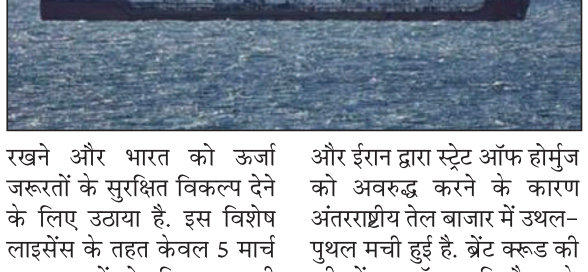

इससे देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी फिलहाल नहीं होगी. अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने यह कदम ग्लोबल सप्लाई चेन को स्थिर रखने और भारत को ऊर्जा जरूरतों के सुरक्षित विकल्प देने के लिए उठाया है. इस विशेष लाइसेंस के तहत केवल 5 मार्च तक समुद्र में लोड किए गए रूसी तेल की ही आपूर्ति की जाएगी. इससे भारत को लागत और समय दोनों में फायदा मिलेगा और घरेलू ईंधन कीमतों पर दबाव नहीं पड़ेगा. मिडिल-ईस्ट में जारी युद्ध और ईरान द्वारा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को अवरुद्ध करने के कारण अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार में उथल-पुथल मची हुई है. ब्रेंट क्रूड की कीमतें 83 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई हैं, जिससे दुनिया भर में पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ने की आशंका बढ़ गई थी. ऐसे में भारत के लिए राहत की खबर यह है कि अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने भारतीय रिफाइनरियों को रूस से कच्चा तेल खरीदने के लिए विशेष 30 दिन की छूट दी है, जो 3 अप्रैल तक वैध रहेगी.

> विशेषज्ञों का मानना है कि यह अमेरिकी छूट भारत की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ महंगाई पर भी नियंत्रण रखने में मदद करेगी. इसके अलावा, रूसी तेल टैंकर फिलहाल एशियाई जल क्षेत्र में वेटिंग मोड में खड़े हैं. भारत इन टैंकरों को तुरंत रिसीव कर सकता है, जिससे ट्रांसपोर्टेशन समय और लागत में कमी आएगी. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी स्ट्रेट ऑफ होर्मुज और फारस की खाड़ी के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि इस क्षेत्र में किसी भी बाधा का असर सीधे ऊर्जा सप्लाई और अर्थव्यवस्था पर पड़ता है.

आईसीआईसीआई का नया ऑल कैप फंड

नई दिल्ली, 06 मार्च. निवेशकों को अलग-अलग मार्केट कैप सेगमेंट में निवेश का अवसर देने के उद्देश्य से आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड ने नया डायवर्सिफाइड इक्विटी ऑल कैप एक्टिव फंड ऑफ फंड्स लॉन्च किया है.

यह ओपन-एंडेड स्कीम लार्ज कैप, मिड कैप, स्मॉल कैप, फ्लेक्सी कैप और मल्टी-कैप रणनीतियों में डायनामिक तरीके से निवेश करने के लिए डिजाइन की गई है. फंड का न्यू फंड ऑफर 2 मार्च से खुला है और 16 मार्च 2026 तक निवेशकों के लिए उपलब्ध रहेगा. इस स्कीम का उद्देश्य बाजार के अलग-अलग सेगमेंट में बदलती लीडरशिप का लाभ उठाते हुए निवेशकों को बेहतर रिटर्न का अवसर देना है.

अडानी टोटल ने एलएनजी कीमत 3 गुना बढ़ाई

हॉर्मुज संकट से एलएनजी महंगी, अडानी का झटका

पश्चिम एशिया संकट-एलएनजी कीमत 119 रुपये

मुंबई, 06 मार्च. अडानी समूह की कंपनी अडानी टोटल गैस ने पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण औद्योगिक और वाणिज्यिक ग्राहकों के लिए तरल प्राकृतिक गैसकी कीमत तीन गुना कर दी है.

औद्योगिक और वाणिज्यिक ग्राहकों को भेजे नोटिस में कंपनी ने एलएनजी की नयी कीमत 119 रुपये प्रति मानक घन मीटर करने की जानकारी दी है. पहले कीमत 40 रुपये रुपये प्रति मानक घन मीटर थी. कंपनी ने पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के कारण आपूर्ति में कमी और बाधाओं को इसका कारण बताया है. नोटिस में कहा गया है, हालिया भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के कारण एलएनजी की आपूर्ति के मार्ग प्रभावित हुए हैं. इसके कारण एटीजीएल को गैस आपूर्ति में कटौती का सामना करना पड़ा है, जिससे परिचालन संबंधी बाधाएं उत्पन्न हुई हैं. यह नोटिस उन औद्योगिक ग्राहकों को जारी किया गया है जिनकी गैस खपत उनके अनुबंधित उपयोग सीमा से अधिक है. कंपनी के नोटिस के अनुसार, ईरान और ओमान के बीच स्थित हर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले गैस टैंकरों का आवागमन लगभग ठप हो गया है. यह जलडमरूमध्य विश्व में खपत होने वाले लगभग पांचवें हिस्से के तेल और बड़ी मात्रा में एलएनजी के परिवहन का प्रमुख मार्ग है.

> एटीजीएल ने स्पष्ट किया है कि उसने अभी खुदरा ग्राहकों के लिए कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं की है. कंपनी अपने सिटी गैस वितरण नेटवर्क के माध्यम से देशभर में 12 लाख से अधिक घरों में गैस की आपूर्ति करती है और लगभग 1,100 सीएनजी स्टेशन संचालित करती है. इस बीच, 05 मार्च के जहाज-ट्रैकिंग के आंकड़ों के अनुसार, ईरान द्वारा हर्मुज जलडमरूमध्य को अवरुद्ध करने के बाद फारस की खाड़ी में भारतीय ध्वज वाले 36 जहाज फंस गये हैं.

इंडिगो ने की पशिचम एशिया टिकट रद्द, शुल्क माफ किया

31 मार्च तक टिकट रद्द, इंडिगो नहीं लेगी फीस

पिछले तीन दिन में 25 विशेष उड़ानों का परिचालन किया

नई दिल्ली, 06 मार्च. निजी विमान सेवा कंपनी इंडिगो ने पश्चिम एशिया में जारी संकट को देखते हुए 31 मार्च तक की यात्रा के टिकट रद्द कराने पर कोई शुल्क नहीं लेने की घोषणा की है.

एयरलाइंस ने शुक्रवार को बताया कि वह पश्चिम एशिया और इस्तांबुल (तुर्की) की यात्रा के लिए 31 मार्च तक के टिकट पर रद्द कराने के लिए कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लगी. उसने यात्रियों को अपनी उड़ान की अद्यतन स्थिति की जानकारी के लिए उसकी वेबसाइट या कस्टमर केयर से संपर्क करने की सलाह दी है. इसके अलावा इंडिगो पश्चिम एशिया में फंसे यात्रियों को लाने के लिए आज 17 विशेष उड़ानों का परिचालन कर रही है. ये उड़ानें पश्चिम एशिया के आठ शहरों मदीना, जेद्दा, मस्कट, अबू धाबी, शारजाह, दुबई, फुजैरा, और रस अल खैमा से आयेंगी. निजी विमान सेवा कंपनी स्पाइसजेट भी आज 14 विशेष उड़ानों का परिचालन कर रही है. इनमें नौ उड़ानें फुजैरा से मुंबई के लिए, चार फुजैरा से दिल्ली के लिए और एक दुबई से पुणे के लिए उड़ान भरेगी. एयरलाइंस ने बताया कि उसने पिछले तीन दिन में 25 विशेष उड़ानों का परिचालन किया है.

> इस बीच तीन भारतीय विमान सेवा कंपनियों ने पश्चिम एशिया से सीमित संख्या में नियमित उड़ानें शुरू की हैं. एयर इंडिया ने सऊदी अरब के जेद्दा से दिल्ली और मुंबई के लिए तथा अकासा ने जेद्दा से मुंबई के लिए उड़ानें शुरू की हैं. एयर इंडिया एक्सप्रेस दिल्ली, कोच्चि, कोझिकोड, मेंगलुरु, मुंबई और तिरुचिरापल्ली से मस्कट के लिए नियमित उड़ानों का परिचालन कर रही है. साथ ही उसने दुबई और रस अल खैमा से विशेष उड़ानों की घोषणा की है. एयरलाइंस ने बताया है कि वह 10 मार्च तक के टिकट रद्द कराने पर यात्रियों से कोई शुल्क नहीं लेगी.

बीओबी ने ग्रीन इंफ्रा बॉन्ड से जुटाए 10,000 करोड़

मुंबई, 06 मार्च. बैंक ऑफ बड़ौदा ने गुरुवार को बताया कि उसने दीर्घकालिक परिपक्वता वाले हरित अवसंरचना बाँड जारी करके 10,000 करोड़ रुपये जुटाए. ये बांड 7.1 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर के साथ जारी किये गये हैं.

बैंक ने कहा है कि वह घरेलू बाजार में इस तरह के बांड जारी करने वाला देश का पहला बैंक है. इस निर्गम में कुल 16,415 करोड़ रुपये के बाँड के लिए बोलियां मिलीं जो मूल रूप से 5,000 करोड़ रुपये के लक्ष्य के तीन गुने से भी ज्यादा रहा. इस निर्गम में 5000 करोड़ रुपये का ग्रीन शू विकल्प रखा गया था.

बैंक ने कहा है कि 7.10 प्रतिशत की प्रतिस्पर्धी कट-ऑफ कूपन दर निवेशकों के मज़बूत भरोसे को दिखाती है. बैंक ऑफ बड़ौदा के प्रबंध निदेशक और सीईओ डॉ. देबदत्त चंद ने कहा, यह ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर बॉन्ड निर्गम बैंक के लिए एक अहम पड़ाव है और भारत के घरेलू ईएसजी बांड के लिए एक महत्वपूर्ण घड़ी है.

3 दिन में 8,000 सस्ता हुआ सोना, चांदी धड़ाम

1.59 लाख पर आया सोना

26,000 हजार रुपए गिरी चांदी

नई दिल्ली, 06 मार्च अंतरराष्ट्रीय बाजार में उतार-चढ़ाव और निवेशकों की प्रॉफिट बुकिंग के बीच सोने और चांदी की कीमतों में लगातार तीसरे दिन गिरावट दर्ज की गई है. इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 24 कैरेट सोने की कीमत शुक्रवार को 1,177 रुपए गिरकर 1,59,409 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गई.

पिछले तीन दिनों में सोना करीब 8,000 रुपए सस्ता हो चुका है. वहीं चांदी की कीमतों में भी तेज गिरावट देखने को मिली है और एक किलो चांदी 902 रुपए टूटकर 2,63,210 रुपए प्रति किलो पर आ गई है. तीन दिनों में चांदी करीब 26,000 रुपए सस्ती हुई है. विशेषज्ञों का मानना है कि हाल के दिनों में सोने-चांदी की कीमतों में आई तेजी के बाद निवेशकों ने मुनाफावसूली शुरू कर दी है, जिससे कीमतों पर दबाव बना है. हालांकि, लंबी अवधि में वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और बढ़ती मांग के कारण कीमती धातुओं में फिर से तेजी आने की संभावना से इनकार नहीं किया जा रहा है.

> पिछले तीन दिनों में सोने की कीमतों में कुल मिलाकर करीब 8,000 रुपए की गिरावट दर्ज की गई है. चांदी की कीमतों में भी तेज गिरावट आई है. शुक्रवार को एक किलो चांदी का भाव 902 रुपए घटकर 2,63,210 रुपए प्रति किलो रह गया, जबकि इससे पहले इसकी कीमत 2,64,212 रुपए प्रति किलो थी. पिछले तीन दिनों में चांदी करीब 26,000 रुपए सस्ती हो चुकी है. बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि हाल के समय में सोने और चांदी की कीमतों में तेजी के बाद निवेशकों ने मुनाफा वसूली शुरू कर दी है, जिसके कारण कीमतों में यह गिरावट देखने को मिल रही है.

फैशन मार्केटिंग प्रोफेशनल पंखुरी सोनी उद्गम विमेन अचीवर अवॉर्ड

नई दिल्ली, 06 मार्च. फैशन मार्केटिंग प्रोफेशनल पंखुरी सोनी को वर्ष 2026 का प्रतिष्ठित उद्गम विमेन अचीवर अवॉर्ड के लिए चुना गया है. यहां जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार गांधीनगर (गुजरात) स्थित उद्गम चैरिटेबल ट्रस्ट ने सुश्री सोनी को यंग अचीवर श्रेणी में यह सम्मान देने की घोषणा की है. यह सम्मान फैशन मार्केटिंग क्षेत्र में उनके समर्पण, पेशेवर उपलब्धियों और उल्लेखनीय योगदान के लिए दिया जा रहा है.यह सम्मान अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में 10 मार्च को अहमदाबाद में उषा पर्व कार्यक्रम में प्रदान किया जाएगा.

बिटकॉइन से युद्ध फंड जुटा रहा ईरान

नई दिल्ली, 06 मार्च. पश्चिमी देशों के कड़े आर्थिक प्रतिबंधों और गिरती मुद्रा के बावजूद ईरान मौजूदा युद्ध के दौरान विदेशों से मशीनरी, ईंधन और सैन्य उपकरणों की खरीद कर पा रहा है. इसके पीछे एक ऐसा वित्तीय रास्ता है जिस पर पारंपरिक बैंकिंग सिस्टम या अमेरिकी प्रतिबंधों का नियंत्रण नहीं है- क्रिप्टोकरेंसी.

क्रिप्टो के सहारे प्रतिबंधों से बच रहा ईरान

बिटकॉइन माइनिंग से ईरान को अरबों की कमाई

रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान बड़े पैमाने पर बिटकॉइन माइनिंग कर रहा है और उसी डिजिटल करेंसी का इस्तेमाल अंतरराष्ट्रीय भुगतान के लिए कर रहा है. विशेषज्ञों का कहना है कि बिटकॉइन के जरिए ईरान डॉलर आधारित बैंकिंग सिस्टम और नेटवर्क को दरकिनार कर सकता है. इस व्यवस्था से न केवल उसे प्रतिबंधों से बचने में मदद मिल रही है बल्कि युद्ध के समय वित्तीय संसाधन जुटाने का एक वैकल्पिक माध्यम भी मिल गया है. ब्लॉकचेन डेटा से यह भी सामने आया है कि हाल के दिनों में ईरानी क्रिप्टो वॉलेट्स में असामान्य गतिविधि देखी गई है, जिससे संकेत मिलता है कि डिजिटल करेंसी युद्ध से जुड़ी आर्थिक गतिविधियों में अहम भूमिका निभा रही है. पश्चिमी देशों के कड़े आर्थिक प्रतिबंधों के बावजूद ईरान ने अंतरर्राष्ट्रीय भुगतान और युद्ध के लिए फंड जुटाने का एक नया रास्ता तलाश लिया है.

होर्मुज में जहाजों की आवाजाही ठप

नई दिल्ली, 06 मार्च. मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध का असर अब दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण समुद्री लाइफलाइन 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' पर साफ दिखाई देने लगा है.

जॉइंट मैरिटाइम इन्फॉर्मेशन सेंटर की ताजा रिपोर्ट के अनुसार पिछले 24 घंटों में इस अहम समुद्री मार्ग से केवल दो कॉमर्शियल जहाज ही गुजर पाए, जबकि आम दिनों में यहां से दर्जनों बड़े तेल टैंकर गुजरते हैं. सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि इस दौरान एक भी तेल टैंकर इस रास्ते से नहीं निकला.

मोटोरोला एज 70 फ्यूजन लॉन्च, कीमत 24,999 रुपये

नवभारत, जबलपुर। मोटोरोला ने भारत में अपना नया मिड-प्रीमियम स्मार्टफोन मोटोरोला एज 70 फ्यूजन लॉन्च किया है। कंपनी ने इसे दमदार कैमरा, बड़ी बैटरी और उन्नत कृत्रिम बुद्धिमत्ता फीचर्स के साथ पेश किया है। इसकी शुरुआती कीमत 24,999 रुपये रखी गई है। फोन में दुनिया का पहला 50 मेगापिक्सल सोनी लाइटिया 710 सेंसर दिया गया है। इसके साथ 13 मेगापिक्सल अल्ट्रा-वाइड व मैक्रो कैमरा तथा 32 मेगापिक्सल फ्रंट कैमरा भी मिलता है। स्मार्टफोन में 7000 एमएएच सिलिकॉन-कार्बन बैटरी और 68 वॉट टर्बो पावर फास्ट चार्जिंग दी गई है। यह फोन क्वालकॉम स्नैपड्रैगन 7एस जेनरेशन 4 प्रोसेसर, 12 जीबी तक रैम और 256 जीबी स्टोरेज के साथ आता है। इसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित फीचर्स, जल-धूल सुरक्षा (आईपी68 व आईपी69) और सैन्य मानक मजबूती भी दी गई है। कंपनी के अनुसार इस स्मार्टफोन की अर्ली बर्ड बिक्री 6 मार्च को दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक फ्लिपकार्ट पर होगी। इसके बाद 12 मार्च से यह फ्लिपकार्ट, मोटोरोला की आधिकारिक वेबसाइट और देशभर के प्रमुख रिटेल स्टोर्स पर बिक्री के लिए उपलब्ध होगा।

समाचार विशेष

सियासत की नई 'सोशल इंजीनियरिंग'

दलित-पिछड़ों के बाद अब ब्राह्मण बने राजनीति के 'हॉटकेक'

लखनऊ. आज के दौर में भले ही छात्र आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग की ओर भाग रहे हों, लेकिन सियासत के मैदान में आज भी 'सोशल इंजीनियरिंग' ही सबसे बड़ी डिग्री है. जो इस इंजीनियरिंग में माहिर है, सत्ता की चाबी उसी के पास होती है.

एक दौर था जब राजनीति सिर्फ दलित और पिछड़ा वर्ग के इर्द-गिर्द घूमती थी, लेकिन वर्तमान परिदृश्य में ब्राह्मण समुदाय भारतीय राजनीति का नया 'हॉटकेक' बन गया है. चाहे उत्तर प्रदेश हो या बिहार, ब्राह्मणों को साधे बिना सत्ता का सफर अधूरा माना जा रहा है.

उत्तर प्रदेश में ब्राह्मणों की आबादी लगभग 11 से 13 प्रतिशत है, जो सवर्णों में सबसे बड़ा हिस्सा है. राज्य की 100 से अधिक विधानसभा सीटों पर यह समुदाय हार-जीत तय करने की ताकत रखता है. यही कारण है कि 'पीडीए' (पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक) की बात करने वाले अखिलेश यादव भी अब ब्राह्मणों की चिंता में 'दुबले' हो रहे हैं.

> **क्यों अहम है ब्राह्मण वोट बैंक?**
>
> ब्राह्मणों को राजनीति में 'साइलेंट वोटर' माना जाता है. वे जिस तरफ झुकते हैं, समाज के अन्य वर्गों में भी एक बड़ा संदेश जाता है. आजादी के बाद दशकों तक कांग्रेस का आधार रहे इस वोट बैंक पर फिलहाल भाजपा का मजबूत कब्जा है, लेकिन अब क्षेत्रीय दल इस 'लॉयल' वर्ग में सेंधमारी के लिए बेताब हैं. साफ है कि 2027 के यूपी चुनाव हों या बिहार की राजनीति, ब्राह्मणों के सम्मान और भागीदारी के बिना दिल्ली का रास्ता तय करना मुश्किल है.

धनबाद मेयर चुनाव से गठबंधन में खटास

धनबाद. नगर निकाय चुनावों में भाजपा, कांग्रेस, झारखंड मुक्ति मोर्चा की गांठ पूरी तरह से खुल गई है. बागी बनकर लड़े पूर्व विधायक संजीव सिंह के चुनाव जीतने के बाद कोयलांचल की राजनीति में हलचल पैदा हो गई है. कांग्रेस दूसरे स्थान से खिसक गई. उसे नुकसान उठाना पड़ा.

हालांकि, वोट बढ़ा है. धनबाद में कांग्रेस समर्थित उम्मीदवार रेस में कहीं नजर नहीं आए, जबकि भाजपा से जेएमएम शामिल हुए चंद्रशेखर अग्रवाल ने गांव से शहर तक जेएमएम का वोट लेने में कामयाब दिखे. उन्हें हर बूथ पर मत मिला.

झामुमो द्वारा चंद्रशेखर अग्रवाल जैसे बाहरी दिग्गजों को सीधे शामिल कर समर्थन देने से गठबंधन के पुराने साथियों (जैसे कांग्रेस) में असंतोष के स्वर उठ रहे हैं. धनबाद के इन नतीजों ने साफ कर दिया है कि कोयलांचल की जनता अब पार्टी सिंबल से ऊपर उठकर मजबूत नेतृत्व को चुन रही है. पार्टी सूत्रों ने बताया कि झामुमो अब शहरी क्षेत्रों में अपनी स्वतंत्र पहचान बनाने की कोशिश में कामयाब रही. जिससे आने वाले समय में सीटों के बंटवारे को लेकर कांग्रेस के साथ खींचतान बढ़ सकती है. निकाय चुनाव के इन परिणामों का असर 2029 के विधानसभा चुनावों के गठबंधन स्वरूप पर भी पड़ सकता है. चंद्रशेखर अग्रवाल का वैश्य राजनीति और झामुमो का नया प्रयोग दिखा. पूर्व मेयर चंद्रशेखर अग्रवाल का चुनाव से ठीक पहले भाजपा छोड़कर झामुमो में जाना धनबाद की राजनीति का सबसे साहसिक कदम माना जा रहा है. झामुमो ने चंद्रशेखर अग्रवाल को मोहरा बनाकर शहरी हिंदू मतदाताओं, विशेषकर वैश्य समाज, में सेंधमारी करने की कोशिश की. अग्रवाल ने विकास कार्यों के अपने पुराने ट्रैक रिकॉर्ड के आधार पर वोट मांगे. हालांकि, वे दूसरे स्थान पर रहे, लेकिन उन्होंने झामुमो को शहरी क्षेत्र में 83,000 से अधिक वोट दिलाकर यह साबित कर दिया कि पार्टी अब केवल ग्रामीण क्षेत्रों तक सीमित नहीं है. अग्रवाल की इस चाल ने भाजपा के पारंपरिक वोट बैंक के दो फाड़ कर दिए.

बंगाल के मुस्लिम इलाकों में कटेंगे वोट!

कोलकाता. पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के पहले चरण में जो नहीं हुआ वह दूसरे चरण में होता दिख रहा है. पहले चरण में 58 लाख से कुछ ज्यादा नाम कटे तो इसे बहुत सामान्य माना गया. बिहार में एसआईआर में 69 लाख के करीब नाम कटे थे.

ध्यान रहे बिहार और बंगाल दोनों में मतदाताओं की संख्या लगभग बराबर थी. पहले चरण के बाद बंगाल से खबर थी कि मुस्लिम बहुल इलाकों में बहुत कम वोट कटे हैं. मुस्लिम बहुलता वाले क्षेत्रों में चार से छह फीसदी तक नाम कटे थे, जबकि ओवरऑल आठ फीसदी के करीब नाम कटे. हिंदू मतदाताओं खास कर मतुआ मतदाताओं के नाम ज्यादा कटने की चर्चा था. एसआईआर से पहले बंगाल में सात करोड़ 66 लाख मतदाता थे, जो पहले चरण के बाद घट कर सात करोड़ आठ लाख रह गए. दूसरे चरण के बाद चार लाख से कुछ ज्यादा नाम और कट गए, जिसके बाद मतदाताओं की संख्या सात करोड़ चार लाख रह गई.

लेकिन असली खेल इसके बाद होता दिख रहा है. चुनाव आयोग ने जिन सवा करोड़ लोगों को लॉजिकल डिस्क्रिपेंसीज के नाम पर नोटिस दिया था उनमें से 60 लाख छह हजार लोगों के नाम 'विचाराधीन श्रेणी' में डाल दिया है. इनके नाम मतदाता सूची में हैं लेकिन वोट डालने का अधिकार तभी मिलेगा, जब पूरक सूची में नाम आए. उससे पहले इनके दस्तावेजों की जांच हो रही है. पांच सौ से ज्यादा न्यायिक अधिकारियों की मौजूदगी में ईआरओ एईआरओ दस्तावेजों की जांच कर रहे हैं. पहली बार मुस्लिम बहुल इलाकों में नाम नहीं कटे थे लेकिन दूसरे चरण के बाद जो 60 लाख नाम रोके गए हैं उनमें से अधिकतर मुस्लिम हैं.

रोके गए 60 लाख नामों में से 11 लाख अकेले मुर्शिदाबाद जिले के हैं और आठ लाख मालदा जिले का है. सोचें, बांग्लादेश की सीमा से लगते इन दो जिलों में ही एक तिहाई वोट रोके गए हैं.

विशेष **भाजपा ने घुसपैठ को बंगाल चुनाव का सबसे बड़ा मुद्दा बनाया है.**

अलग सीमांचल राज्य की चर्चा क्यों?

नई दिल्ली. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तीन दिन तक बिहार के सीमांचल की यात्रा पर थे. यह बहुत असामान्य बात है कि केंद्रीय गृह मंत्री किसी इलाके में इतना लंबा प्रवास करें. आमतौर पर बड़े नेता अपने गृह प्रदेश या चुनाव क्षेत्र में भी इतना समय नहीं देते हैं. अमित शाह नक्सल प्रभावित इलाकों में भी रूके हैं. लेकिन सीमांचल का मामला थोड़ा अलग है.

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा और घुसपैठ को लेकर सीमांचल में कई मीटिंग्स की. उनके साथ केंद्र और राज्य के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे. बिहार के उप मुख्यमंत्री सह गृह मंत्री सम्राट चौधरी हर बैठक में मौजूद रहे. शाह की इस यात्रा और इन मीटिंग्स के बाद ही अलग राज्य की चर्चा तेज हुई.

हालांकि अभी तक इसका कोई ठोस प्रस्ताव सामने नहीं आया है. लेकिन यह अनायास नहीं था. बंगाल चुनाव को ध्यान में रख कर देखने पर इसका महत्व समझ में आता है. ध्यान रहे भाजपा ने घुसपैठ को बंगाल चुनाव का सबसे बड़ा मुद्दा बनाया है. तभी अगर यह चर्चा चलती है कि बिहार के मुस्लिम बहुल इलाकों खास कर किशनगंज, अररिया, कटिहार और पूर्णिया के कुछ हिस्से को मिला कर पश्चिम बंगाल के मुस्लिम बहुल इलाकों मालदा व उत्तरी दिनाजपुर के साथ जोड़ कर अलग केंद्र शासित प्रदेश बनाया जाएगा तो इसका बड़ा मनोवैज्ञानिक असर बंगाल के मतदाताओं पर होगा.

उत्तरी दिनाजपुर और मालदा दोनों किशनगंज और कटिहार से सटे हैं. अगर इन जिलों को मिला कर अलग केंद्र शासित प्रदेश बनता है तो वहां बहुसंख्यक आबादी जम्मू कश्मीर जैसी होगी. वहां उप राज्यपाल और सीमावर्ती राज्य होने की वजह से सेना और अर्धसैनिक बलों की तैनाती करके नियंत्रण रखा जा सकता है.

कार्यालय नगरपालिका परिषद, सिवनी (म.प्र.)

क्रमांक /7776/ न.पा.प./ 2026 — **ई-निविदा आमंत्रण सूचना** — सिवनी, दिनांक:- 06/03/2026

निम्नलिखित कार्यों हेतु केंद्रीकृत प्रणाली में पंजीकृत फर्म/ठेकेदारों से निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण बेबसाईट https://mptenders.gov.in/ पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	प्रस्तावित निर्माण कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र शुल्क EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1.	2026_UAD_487737	प्रधानमंत्री आवास (ए.एच.पी.) योजनांतर्गत ग्राम बींझावाडा (कण्डीपार) में गांव की मेन रोड से 116 आवासों तक (एप्रोच रोड) सी.सी. सडक निर्माण कार्य।	90 दिवस 1889451	2000 14200	08/04/2026

नोट:- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संसोधन का प्रकाशन ऑनलाईन www.mptenders.gov.in/ वेबसाईट पर ही किया जावेगा। पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद सिवनी